Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत (Howard Gardner's Theory of Multiple Intelligences)

परिचय (Introduction):

हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner), हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, ने 1983 में अपनी पुस्तक "Frames of Mind" में यह सिद्धांत प्रस्तुत किया।

इससे पहले, बुद्धि को केवल एक आयाम (single dimension) में देखा जाता था — जिसे IQ (Intelligence Quotient) से मापा जाता था।

गार्डनर ने इस पारंपरिक सोच को चुनौती दी और कहा कि —

"बुद्धि एकल योग्यता नहीं है, बल्कि यह कई प्रकार की मानसिक क्षमताओं का समूह है।"

उनके अनुसार, हर व्यक्ति में अनेक प्रकार की बुद्धियाँ होती हैं और हर व्यक्ति की बुद्धि का विकास उसकी रुचि, परिवेश और अनुभवों के अनुसार अलग-अलग होता है।

गार्डनर द्वारा प्रस्तावित बुद्धियों के प्रकार (Types of Intelligences by Gardner):

1. भाषिक बुद्धि (Linguistic Intelligence):

- यह भाषा को समझने, लिखने, बोलने और प्रभावी संचार करने की क्षमता से संबंधित है।
- विशेषताएँ: शब्दों का प्रयोग कुशलता से करना, भाषण, लेखन या कहानी कहना।
- उदाहरण: कवि, लेखक, पत्रकार, शिक्षक, वकील।

2. तार्किक-गणितीय बुद्धि (Logical–Mathematical Intelligence):

- यह तर्क, गणना, समस्या-समाधान और वैज्ञानिक सोच से संबंधित है।
- विशेषताएँ: विश्लेषणात्मक सोच, कारण-परिणाम समझना, सूत्र बनाना।
- उदाहरण: वैज्ञानिक, गणितज्ञ, अभियंता, प्रोग्रामर।

Edit with WPS Office

3. स्थानिक बुद्धि (Spatial Intelligence):

- यह वस्तुओं, स्थानों और आकृतियों को मानसिक रूप से देखने और समझने की क्षमता है।
- विशेषताएँ: दिशा-बोध अच्छा होना, चित्र और डिजाइन बनाना।
- उदाहरण: वास्तुकार, कलाकार, डिजाइनर, मूर्तिकार, पायलट।

4. शारीरिक-गतिशील बुद्धि (Bodily–Kinesthetic Intelligence):

- यह अपने शरीर के अंगों का प्रयोग करके कुछ बनाने या प्रस्तुत करने की क्षमता है।
- विशेषताएँ: शारीरिक संतुलन, समन्वय, अभिव्यक्ति द्वारा संचार।
- उदाहरण: खिलाड़ी, नर्तक, सर्जन, अभिनेता, कारीगर।

5. संगीतात्मक बुद्धि (Musical Intelligence):

- यह ध्वनि, लय, स्वर और संगीत की समझ और उसे प्रस्तुत करने की क्षमता से जुड़ी है।
- विशेषताएँ: संगीत को पहचानना, गाना, वाद्ययंत्र बजाना।
- उदाहरण: गायक, संगीतकार, वादक, संगीत निर्देशक।

6. पारस्परिक बुद्धि (Interpersonal Intelligence):

- यह दूसरों की भावनाओं, इच्छाओं और उद्देश्यों को समझने और उनसे प्रभावी संवाद करने की क्षमता है।
- विशेषताएँ: नेतृत्व, सहानुभूति, सामाजिक समझ।
- उदाहरण: शिक्षक, नेता, सलाहकार, समाजसेवी, मनोवैज्ञानिक।

7. अंतःव्यक्तिक बुद्धि (Intrapersonal Intelligence):

- यह स्वयं को समझने, आत्मचिंतन करने और आत्मनियंत्रण रखने की क्षमता है।
- विशेषताएँ: आत्म-जागरूकता, आत्म-प्रेरणा, आत्म-विश्लेषण।
- उदाहरण: दार्शनिक, लेखक, साधक, मनोचिकित्सक।

Edit with WPS Office

8. प्राकृतिक बुद्धि (Naturalistic Intelligence):

- यह प्रकृति, जीव-जंतु, पौधों और पर्यावरण को समझने की क्षमता है।
- विशेषताएँ: प्राकृतिक घटनाओं में रुचि, पर्यावरणीय जागरूकता।
- उदाहरण: जीवविज्ञानी, किसान, पर्यावरणविद्, जंतु विज्ञानी।

9. अस्तित्वात्मक बुद्धि (Existential Intelligence): (बाद में जोड़ी गई)

- यह जीवन, मृत्यु, और अस्तित्व से जुड़े गहरे प्रश्नों पर चिंतन करने की क्षमता है।
- विशेषताएँ: दार्शनिक सोच, आध्यात्मिकता, जीवन के अर्थ की खोज।
- उदाहरण: संत, विचारक, दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु।

गार्डनर के सिद्धांत की प्रमुख विशेषताएँ (Key Features):

1. बुद्धि बहुआयामी (Multidimensional) होती है।
2. प्रत्येक व्यक्ति में सभी बुद्धियाँ होती हैं, परंतु उनका विकास अलग-अलग होता है।
3. शिक्षा प्रणाली को विद्यार्थियों की विभिन्न बुद्धियों को ध्यान में रखकर बनाना चाहिए।
4. केवल IQ टेस्ट से किसी की संपूर्ण बुद्धि का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।
5. यह सिद्धांत सीखने की विविधता को स्वीकार करता है।

शैक्षिक महत्व (Educational Implications):

1. शिक्षण विधियों में विविधता होनी चाहिए – केवल किताबों तक सीमित नहीं।
2. विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचियों और क्षमताओं के अनुसार शिक्षण देना चाहिए।
3. स्कूलों में खेल, संगीत, कला, नृत्य और पर्यावरणीय शिक्षा को समान महत्व देना चाहिए।
4. यह सिद्धांत "हर बच्चे में कुछ खास है" के विचार को प्रोत्साहित करता है।
5. मूल्यांकन प्रणाली को भी केवल अंक आधारित न रखकर बहु-बुद्धि आधारित बनाना चाहिए।

Edit with WPS Office

निष्कर्ष (Conclusion):

गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत एक समग्र दृष्टिकोण (holistic view) प्रस्तुत करता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को उसकी विशिष्ट क्षमताओं और प्रतिभाओं के आधार पर समझा जाता है। यह सिद्धांत शिक्षा, मनोविज्ञान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में क्रांतिकारी सिद्ध हुआ है।

Edit with WPS Office